



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Times of India*.....  
दिनांक ..6.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....1-2.....

### NDRI ranked top agri varsity in India

Amit Kumar | TNN

**Karnal:** National Dairy Research Institute (NDRI) has been ranked first among India's 72 agricultural universities, including state agricultural universities, four deemed universities of ICAR, and central universities with agriculture faculty, by the Indian Council of Agriculture Research (ICAR).

Manmohan Singh Chauhan, NDRI director, received the award from Parshottam Khodabhai Rupala, Union minister of state for panchayati raj, agriculture, and farmers welfare, during the ICAR foundation day award ceremony.

Stating that it was a great moment of pride for the institute, Chauhan congratulated the faculty and staff of NDRI lauding them for their dedication and devotion to serving the institution as well as the farming commu-

#### HAU third in ICAR ranking

**Hisar:** Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar was ranked as the third best state agricultural university among 64 state agricultural universities and three central agricultural universities of the country.

nity. He said NDRI had achieved a landmark success for developing several technologies like in vitro fertilization, cloning, transgenics, manufacture of a variety of nutritious high-quality indigenous dairy products, producing tools for detection of various milk adulterants and also for providing high quality manpower for various dairy development and extension programmes in the country.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... *The Tribune*.....  
दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या..... 3 ..... कॉलम..... 5-8 .....

## NDRI tops agricultural institutes of country

KARNAL/HISAR, DECEMBER 5

National Dairy Research Institute (NDRI) in Karnal has been ranked first among 72 agricultural universities of India, including state agricultural universities, four deemed universities of ICAR and central universities with agriculture faculty, by the Education Di-



sion of Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi. The award was declared by the ICAR.

Director, NDRI, Dr Manmohan Singh Chauhan said it was a great moment of pride for the institute. He congratulated the staff members for their efforts in achieving this landmark.

### HAU ranked third

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, was ranked third 'Best State Agricultural University' amongst 64 state and three central agricultural universities of the country. However, the university has been ranked overall sixth. — TNS



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भैनीक मारुका

दिनांक . ६.१२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ३-४

# एचएयू देश के शीर्ष तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान, एचएयू के कुलपति ने स्टाफ की सराहना

भारतकर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की ओषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को बैठक के समाप्ति अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

**इस आधार पर होती है रैंकिंग :** भारतीय कृषि विश्वविद्यालय के नर्सरी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदंड तय किए जाते हैं। इस रैंकिंग के लिए विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/ आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलावा अवार्ड के अलावा अवार्ड के अंतर्गत किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक जबकि अवार्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे।

### अनुसंधान क्षेत्र में सबसे ज्यादा अंक हासिल किए

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुराने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल हुआ विभिन्न फसलों

की उत्तम विकसित करना, पेटेट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था।

### इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एस.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. संमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

### कुलपति ने कहा—अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है।

### इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार गत दिनों विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब के सरी

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 1-4

# 'एच.ए.यू. देश के टॉप-3 कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल'

## भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ईकिंग में मिला तीसरा स्थान

हिसार, 5 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक ओर उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 3 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आई.सी.ए.आर. ईकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।

(आई.सी.ए.आर.) ईकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतीयों की बैठक के समापन अवसर पर की। आई.सी.ए.आर. द्वारा जारी इस ईकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।



एच.ए.यू. का फाइल फोटो।

### इस आधार पर तय होती है ईकिंग

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी ईकिंग के लिए विभिन्न मापदण्ड तय किए जाते हैं। इस ईकिंग के लिए विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय व डीम्ड विश्वविद्यालय/आई.सी.ए.आर. के संस्थान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विश्वविद्यालय/आई.सी.ए.आर. के संस्थान शामिल हुए। इस ईकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए 30, जबकि अवार्ड के लिए 10 अंक तय किए गए थे।

### इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय ईकिंग के नोडल अधिकारी प्रो. रवि गुप्ता ने बताया कि आई.सी.ए.आर. द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस ईकिंग में अनुसंधान की गत 3 वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटैट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

### इससे पहले भी कई उपलब्धियां विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी वर्ष 1996 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं और वर्ष 2016 में अनुसंधान के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इसी प्रकार गत दिनों विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल ईकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया था। इसी वर्ष केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नैशनल इंस्टीट्यूशनल ईकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान, जबकि अवार्ड के लिए 10 अंक तय किए गए थे।

### विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हासिल की जाने वाली नित उपलब्धियों के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय की अलग पहचान है। विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी ईकिंग में देशभर के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर रहा है। भविष्य में ओर अधिक मेहनत कर विश्वविद्यालय को शीर्ष स्थान हासिल करना प्राथमिकता रहेगी।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भैनीक संकरा

दिनांक ६.१२.२०२० पृष्ठ संख्या ७ कॉलम ३-६

# एच.ए.यू. देश के शीर्ष ३ कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल

● भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

हिसार, ५ दिसंबर (सुरेंद्र सोढी)

: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया



विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार का चित्र।

### इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के संयुक्त निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा।

### इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उत्त किसें विकसित करना, पेटेट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की मिलते एक वर्ष कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं। या, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में जारी किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....२०१५ जून २०२०  
 दिनांक .६.१२.२०२० पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....२५

नारनौद/बरवाला/उकलाना/आदमपुर मंडी/अग्रोहा/सिवानी मंडी

# उचित अवसर मिले तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती है महिलाएं

एचएयू के वीसी बोले- दूसरी हरित क्रांति में महिलाओं की सहभागिता जरूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। यह बातें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने की। कार्यक्रम का आयोजन अॅनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। महिला सशक्तीकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा



एचएयू में महिला किसान दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति। ● जागरण

**स्वयं सहायता समूह बनाकर करें काम : पुष्पा रानी**  
 गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्पा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डा. वीनू सांगवान ने मोटे अनाज का प्रसंसरकरण व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए

जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डा. वीना यादव ने सभी वकाताओं व श्रीताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संयोजन डा. सुषमा कौशिक व डा. राजेश दहिया ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया।

महिलाओं ने साझा किए विचार डा. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंद्रुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया।

जाना चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आमंत्रित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सकती है, भूख और कृपोषण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैंडीन कुलाहा

दिनांक .6.12.2020 पृष्ठ संख्या.....3 कॉलम.....1-3

### एचएयू को कृषि शिक्षण संस्थानों में छठा राज्य विवि रैंकिंग में मिला तीसरा स्थान

जागरण संवाददाता, हिसार :  
आइसीएआर रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को देशभर की कृषि शिक्षण संस्थानों में छठा स्थान मिला है। वहाँ राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों में एचएयू को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि कृषि शिक्षण संस्थानों में विश्वविद्यालय की रैंकिंग कुछ कम हुई है। वहाँ पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की रैंकिंग बढ़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गई है।

शनिवार को केंद्रीय कृषि मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने 2019 के लिए रैंकिंग जारी की, जिसमें एचएयू को तीसरा स्थान मिला है। रैंकिंग की घोषणा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की।

रैंकिंग में शामिल होने के लिए यह है प्रक्रिया : आइसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने जारी किया।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी रैंकिंग के लिए विभिन्न मापदंड तय किए जाते हैं।

#### इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल

विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आइसीएआर द्वारा तय मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान

के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक हासिल किए हैं। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित

करना, पेटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर को 'सर्वश्रेष्ठ जोनल कृषि विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

#### इनकी रही खास भूमिका

रैंकिंग के लिए आवेदन करवाने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में गठित कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डा. एम.एस. सिद्धुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा, विस्तार शिक्षा के सयुक्त निदेशक डा. कृष्ण यादव, डा. सीमा परमार व आइसीएआर के नोडल अधिकारी डा. जितेंद्र भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिष्ठाताओं का विशेष सहयोग रहा।

इसके लिए 64 राज्य कृषि शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि अलग अंक निर्धारित किए गए थे। विश्वविद्यालय व 4 डीम्ड विवि व इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार आइसीएआर के संस्थान शामिल शिक्षा के लिए तीस-तीस, जबकि हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए विभिन्न मापदंड तय किए गए थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....  
*चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय*

दिनांक ..7.12.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....3-5

### चौ. चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार को 'सर्वश्रेष्ठ राज्य कृषि विश्वविद्यालय' के रूप में मिला तीसरा स्थान

चंडीगढ़, 6 दिसंबर (सबेरा ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार को देश के 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों में से

“सर्वश्रेष्ठ राज्य कृषि विश्वविद्यालय” के रूप में तीसरा स्थान दिया गया है। वर्ष 2019 के लिए रैंकिंग परिणाम हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई

दिल्ली में सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति सम्मेलन के समापन समारोह में घोषित किया गया।

इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि

इस रैंकिंग में विभिन्न केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालय और आईसीएआर संस्थानों ने भाग लिया। हालांकि, विश्वविद्यालय को समग्र छठे स्थान पर



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक .....

पृष्ठ संख्या.....

कॉलम.....

## हृषि देश के शीर्ष तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल

**भारतीय कृषि अनुसंधान  
परिषद (आईसीएआर)  
की रैंकिंग में मिला  
तीसरा स्थान**



भोजपुर शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान काल्पन भूमि श्री नरेंद्र सिंह तीम ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपरिवारों की बैठक के माध्यम संबोधित की। आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने अनिवार्य मान्यता से अवैदन किया था। जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) रैंकिंग को

विश्वविद्यालय व डोम्प विश्वविद्यालय/आईसीएआर के सम्मान शामिल हुए थे। इनमें 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, 3 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व 4 डोम्प विश्वविद्यालय/आईसीएआर वे संस्थान शामिल हुए। इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवार्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीम अंक जबकि अवार्ड के लिए दस अंक दिये गए थे।

इस बार अनुसंधान क्षेत्र का रहा अहम रोल: विश्वविद्यालय के रैंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुप्ता ने बताया कि आईसीएआर द्वारा तथा मानकों में इस बार विश्वविद्यालय को अनुसंधान के क्षेत्र में सबसे अधिक अंक दी गई है। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की उत्तम किस्में

विकसित करना, पैटेंट हासिल करना और नई-नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की प्रवर्तने एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विस्तार शिक्षा में कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर की 'सर्वांगी ज्ञान विज्ञान केंद्र अवार्ड' से नवाजा गया था। इसी प्रकार विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के भी अंक जुड़े हैं।

इनकी रही खास भूमिका: रैंकिंग के लिए अवैदन करने वें विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर सम्पर्क संघर्ष में मार्गदर्शन में गठित रैंकिंग कमेटी में मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एम. मिद्दूपुरिया, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एम. हुड्डा, विस्तार शिक्षा बोर्ड निदेशक डॉ. कृष्ण यादव, डॉ. सीमा परमार व आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. जिवेंद्र भाट्या के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों एवं अधिकारियों का विषय सहयोग रहा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

२७। बन्दु

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या ..... कॉलम .....

उपलब्धि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के नाम जुड़ी एक और उपलब्धि

## देश के शीर्ष तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ एचएयू

चौधरी चरण (देशबन्धु)। (देशबन्धु) जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गढ़ के बाहर अब प्रशासन स्तर पर कई महत्वपूर्ण विद्युक्तियाँ की हैं। पार्टी ने 11 प्रक्रमों का गठन करते

हुए इन प्रक्रमों में 15 वरिष्ठ नेताओं के प्रत्यारी व प्रदेशाध्यक्ष के पद की कमान रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय रिंग चौटाला, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष सरदार निशान रिंग व अब यारों

नेताओं के विचार-विनाश के बाद यह नई विद्युक्तियों की सूची जारी की और नवविद्युत परिवर्तनियों को बढ़ावा दी। जेजेपी ने दिल्ला नियासी शीला भ्राता को पिछ से महिला प्रक्रोल की निमंदाई देते

हुए प्रदेशाध्यक्ष बनाया हैं।



हिसार, ५ दिसंबर (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब विश्वविद्यालय देश के शीर्ष तीन गृह्य कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा २०१९ के लिए जारी आईसीएआर ईंकिंग में तीसरा स्थान मिला है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ईंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं क्रिस्तान कल्याण मंत्री नंद किंह तापन ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समाप्त अवसर पद पर की। आईसीएआर द्वारा जारी ईंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने अनिलाइन माध्यम से आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान प्रदान करने के लिए शिक्षण,

अनुसंधान और विद्यार्थी शिक्षा के अलंकार अवाई के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विद्यार्थी शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक जबकि अवाई के लिए दस अंक तय किए गए थे।

इस बार अनुसंधान दोष का रह अहम रोल

विश्वविद्यालय के ईंकिंग के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रवि गुरु ने लिए विश्वविद्यालय के सभी वैज्ञानिक, शिक्षक, विद्यार्थी और स्थान वरस्य औ एक परिवार की तरह टीम भावना से काम करते हैं, जबाई के पात्र हैं। उनकी महत्व का ही परिणाम है कि आज विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी ईंकिंग में देशभाग के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर रहा है। परिवर्त्य में ओर आईसीएआर नहीं कर विश्वविद्यालय की शीर्ष स्थान हासिल करना प्राप्तिकरता रहेगी।

द्वितीय विश्वविद्यालय की जारी वाली नित अलंकिर्ण के कारण ही आज राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अलग पहचान है। इसके लिए विश्वविद्यालय के लिए विश्वविद्यालय के सभी वैज्ञानिक, शिक्षक, विद्यार्थी और स्थान वरस्य औ एक परिवार की तरह टीम भावना से काम करते हैं, जबाई के पात्र हैं। उनकी महत्व का ही परिणाम है कि आज विश्वविद्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जारी ईंकिंग में देशभाग के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर रहा है। परिवर्त्य में ओर आईसीएआर नहीं कर विश्वविद्यालय की शीर्ष स्थान हासिल करना प्राप्तिकरता रहेगी।

करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विद्यार्थी शिक्षा को प्रियों एक वर्ष की उल्लंघनों को शामिल किया गया। ईंकिंग के लिए अवेदन करने में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मानदंडों में विश्वविद्यालय के कुलपति आईसीएआर के नोडल अधिकारी डॉ. विंटेंट भाटिया के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के सभी निदेशक डॉ. एस.एस.



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... भारतीय

दिनांक ५.१२.२०२१ पृष्ठ संख्या ८ कॉलम ८

**संयोगीय** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की रैकिंग में मिला तीसरा स्थान तीन कृषि विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

Digitized by srujanika@gmail.com

**हिमाया** दीर्घालय का कपि विभिन्न विद्यालयों के बीच प्रक और उपलब्धियों जूँ महसूस है। अब विभिन्न विद्यालय द्वारा के सीधे तीव्र साझे करने विभिन्न विद्यालयों में शामिल हो रहा है। विभिन्न विद्यालय को प्रतीती करने अनुमति देने पर्याप्त (अंतर्राष्ट्रीय), कपि यशस्वी, भावन व्यक्त करना 2019 के लिए जरूरी अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक में सीधा प्रवेश दिलाया जाएगा।



सभी गति के लिये विद्युत वो ब

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (अन्तर्राष्ट्रीय) सैकड़ों की योग्यता वर्गिकरण के देश के केंद्रीय कृषि एवं अन्तर्राष्ट्रीय महानगरों जैसे कलापालिका, तिरंगाम चंडीगढ़ जैसी जगहों के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में जारी किया गया।

इसीलिए कालायान मज़े नहें रख सकते और न हो सकते। इसीलिए वह अन्योन्याना जीवन के कालायानों की बेकाम के समान अवसर पर काम करते हैं। अद्यतीनों आर द्वारा

इस अधिकार पर तय होती है विधिविद्यालय, अईसीएआर के ऐकेंग : भारतीय वृक्ष अनुशासन संस्थान जागिर हाई। इस ऐकेंग को प्रश्नन करने के लिए विधिविद्यालय तथा किंवद्दन लिए गिरजाह, अनुशासन और

इस बाट अवार्द्धान और सा दूसरे अन्य भेदभाव

विविधतात्व के रैंकिंग के नोड्स अधिकारी जे. रवि गुप्ता ने बताया कि आईटीसीआर द्वारा तथा यानको में इस दर-विविधतात्व का अनुसरण के लिए मेरे साथ आइटीआर हासिल किया है। उन्होंने बताया कि इस रैंकिंग में अनुसरण की गत तीन वर्षों की उत्पादितीयों की समिक्षा किया गया था। इसमें विविधतात्व द्वारा विभिन्न फलान्तों की उत्पाद कियारे करना, पेटेट हाईलैट करना और नई-नई तकनीकों को विशिष्ट करना शामिल था। इसके अलावा विभिन्न और विविधतात्व की विभिन्न एक वर्ग की उत्पादितीयों की समिक्षा किया गया। उन्होंने बताया कि यह वर्ग विविधतात्व में कृषि विभाग के बायोमार्केट व्यापारिकों को 'साइरेट ऑफिसर यूनिट विभाग' के द्वारा दिया गया था। इसी प्रकार विविधतात्व को विभिन्न विभाग द्वारा दिया गया था।

इंडियन एसी लाइब्रेरी

रेडियो के लिए अप्रैल कारवाई में विद्युतिकालय के कुत्तली और समर शिल के बांगलोर में निर्मित रेडियो कम्पनी में भावन सम्बन्ध विद्युतिकालय के निर्देशक हो, एम.एस. विद्युतिकालय, दिल्लास विद्युतिकालय हो, असार एवं दुष्ट विद्युतिकालय के चारों निर्देशक हो, कुण्डा यात्रा, और दीवान परमार व आदिवासीआर के नेतृत्व अधिकारी हो, जिन्हें भारतीय के अधिकृत विद्युतिकालय के गवर्नर विद्युतिकालय का विधिवालय बना।

अल्पग-अल्पग अक नियोरित किए जिसका लिखा के लिए सीम-सीम गया था।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अभिभावना

दिनांक .6.12.2020 पृष्ठ संख्या.....2 कॉलम.....2-4

### हकृवि आईसीएआर की रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुंचा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) आईसीएआर की रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इससे पहले वर्ष 2018 की रैंकिंग में विश्वविद्यालय को देश भर में दूसरा स्थान हासिल हुआ था। आईसीएआर 2019 रैंकिंग की घोषणा शनिवार को देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक के समापन अवसर पर की।

बता दें कि आईसीएआर द्वारा जारी इस रैंकिंग के लिए देश के सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसका परिणाम शनिवार को आईसीएआर नई दिल्ली में जारी किया गया। इस रैंकिंग के लिए 64 राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तीन केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय व चार डीम्ड विश्वविद्यालय/आईसीएआर के संस्थान शामिल हुए थे।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग : इस रैंकिंग को प्रदान करने के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा के अलावा अवॉर्ड के अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए थे। इनमें शिक्षण, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा के लिए तीस-तीस अंक, जबकि अवॉर्ड के लिए दस अंक तय किए गए थे। रैंकिंग तय के दौरान अनुसंधान की गत तीन वर्षों की उपलब्धियों को शामिल किया गया, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा

वर्ष 2018 की रैंकिंग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को मिला था दूसरा स्थान

“ अभी आईसीएआर की तरफ से नंबर जारी नहीं किए गए हैं। हालांकि जो विवि दूसरे नंबर पर है, उसके बहारे अंकों में ज्यादा फर्क नहीं होगा। वर्ष 2017 में हम 18वें स्थान पर थे। उस लिहाज से इस बार हमारी काफी अच्छी रैंकिंग आई है। वैसे नंबर जारी होने पर पता चलेगा कि किस क्षेत्र में हमारे अंक कटे हैं। उसमें हम और सुधार करेंगे।

-प्रो. सपर सिंह, कुलपति, एचएयू।

विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करना, पेटेट हासिल करना और नई तकनीकों को विकसित करना शामिल था। इसके अलावा शिक्षण और विस्तार शिक्षा की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को शामिल किया गया।

इस साल ये रही उपलब्धि : पिछले दिनों विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में हकृवि ने प्रथम स्थान हासिल किया था। इसके अलावा केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान व प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया था।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

**प्रैनिक इनारजा**

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6.7

### अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के अनुरूप उत्पादों की गुणवत्ता बनाएँ : सीमा

जागरण संगददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पार्सिंग एंग्री बिजनेस इनवेस्टर्स मीट के समापन के अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विवि के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए।

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इसका आयोजन एबिक के चयनित एंग्री स्टार्टअप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीष मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर आभार व्यक्त किया।

बाजार की डिमांड के अनुसार काम करें स्टार्टअप्स

एबिक की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अपने व्यवसाय में मौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीष मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रख कर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाएं। मीट के सह-संयोजक अपित तनेजा ने बताया कि स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया ताकि उनका उस चीज पर एकाधिकार बना रहे। मीट में मुंबई से ओमनीवोर कैपीटल समूह के शुभादीप सान्याल, बैंगलुरु से अकुर कैपिटल के श्रेयश सिंघल, इंडियन एंजल्स नेटवर्क के उदय चटर्जी, युनुस सोशल बिजनेस समूह के निवेशक सिपिका निगम, बिंग हाट एग्रो की को-फाउंडर सचिन नंदवाना सहित एबिक के स्टार्टअप्स व टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंडा। ब. सैक्षणी  
दिनांक ६. १२. २०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ५-७

**'नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन'**  
व्यापारिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ बनाने को लेकर इन्वैस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच हुए तकनीकी सम्मेलन



इन्वैस्टर्स मीट के दौरान उपस्थित एबिक टीम सदस्य।

हिसार, ५ दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डिवैल्पमैट इकम्पासिंग एंड बिजैनेस इन्वैस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वैस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वैस्टर्स ने स्टार्टअप्स को

उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजैनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार-विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया, जिसमें देशभर के इन्वैस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ

व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रूबरू हुए। नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वैस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एंट्री स्टार्ट-अप्स को बिजैनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक अखबार

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 7 कॉलम 1-2

### नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन



इन्वेस्टर्स मीट के दौरान उपस्थित एबिक टीम सदस्य व कार्यक्रम में रु-ब-रु होते इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स।

हिसार, (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट इकमॉर्सिग एग्रीबिजनेस इन्वेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स को बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इन्वेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रुबरु हुए। एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीष मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार**  
**लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम.....

*दैनिक भास्तु*

दिनांक ..6.12.2021... पृष्ठ संख्या.....2....., कॉलम.....३-४.....

एचएयू में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समापन, इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच हुए तकनीकी सात्र  
**नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर दिया जोर**

भारकर न्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकार्पोरेशन एंड बिजेस इन्वेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार चर्चाएँ और उनके समाधान के लिए किया गया।

के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इनवेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रुबरू हुए। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चर्चाना एवं स्टार्टअप्स को बिजेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चर्चाओं और उनके समाधान के लिए किया गया।

**समय की जरूरत और बाजार की डिमांड के अनुसार काम करें: डॉ. सीमा रानी**

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इनवेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रुबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में किंवित निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में योजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। साथ ही समय-समय पर नई-नई प्रौद्योगिकी से अपडेट भी होते रहें। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनोज मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अपने व्यवसाय में योजूदा समय की जरूरत व बाजार की व्यापारी की गुणवत्ता को और बेहतर बनाएं। डॉ. रुशकी महल, सोरभ ट्रिवेदी एबिक का इस्तेमाल करें। साथ ही समय-समय पर नई-नई प्रौद्योगिकी से अपडेट भी होते रहें। मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनोज मणि ने बताया कि मीट में स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया। इस मीट में मुख्य से शुभादीप सात्राल, बैंगलोर से श्रेष्ठ शुभादीप सात्राल, उदय चटर्जी, सिपिका निगम, नदवाना, सिद्धार्थ, सुमित, अमन ढाल, डॉ. रुशकी महल, सोरभ ट्रिवेदी एबिक टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... जनभाव उत्तराला

दिनांक . ६.१२.२०२० पृष्ठ संख्या..... ५ ..... कॉलम..... ५ .....

### नवीनतम विचार को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक (एग्री बिजेस इंव्हूबेशन सेंटर) में आइडिया डेवलपमेंट इनकंपासिंग एग्री बिजेस इन्वेस्टर्स मीट के समापन पर शनिवार को इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप को उनके नवीनतम आइडिया को एक व्यवसाय में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचारविमर्श किया। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्टअब को बिजेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। मीट को संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाएं। मीट के सहसंयोजक अधिकारी तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया। ब्यूरो



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभूमि  
दिनांक .6.12.2020 पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....३-५.....

### देश की दूसरी हरित क्रांति में महिलाओं की सहभागिता जरूरी : प्रो. समर सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्ताहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की।

कृषक महिलाओं ने साझा किए विचार  
कार्यक्रम के दौरान फतेहाबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद- एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं से विभिन्न सब्जियों की पंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचारविमर्श किया। गैर सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्टा रानी ने कहा कि महिलाएं गृह बाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उपार्जित कर सकती हैं। डॉ. वीनू संगवान ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुषमा कौशिक व डॉ.



कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. समर सिंह।

राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाओं ने अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... समास्त ६१२ पृष्ठ  
दिनांक .५.१२.२२ पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### देश की दूसरी हरित क्रांति में महिलाओं की सहभागिता जरूरी : प्रो. समर

बीसी बोले, उचित अवसर  
मिलें तो देश के विकास  
का परिदृश्य बदल सकती  
हैं महिलाएं

समर हरियाणा न्यूज़

हिसार। अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनके महापरिवारों को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्याहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार चौथों दरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपीठ प्रोफेसर समझिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बहीर मृत्युनिश्चय संबोधित कर रहे थे। कूलपीठ की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला रंडडा ने कहे। कूलपीठ का आयोजन ऑफिलाइन व ऑफिलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यान्वयित ने कहा कि

आज देश की कुल आबादी में आगा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद साकार प्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत समिधारों से वंचित हैं।

कूलपीठ ने कहा कि महिला सशक्तिकारों के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सरकार जगत चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसान के लिए आयोजित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बगावत का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी ही से सकती है, खुल और कृषिकारों को भी टोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान कोर्सों से जुड़ी पुस्तकारी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आइडिन करते हुए कहा जिसे गृह वित्तीकार, बीज तैयार कर व घोरू खाद्य उत्पादन से अपनी आप उपायोजित कर सकती है। डॉ. वीनु रामेश्वरन ने मोटे अनाज का प्रसरणकरण व पौष्टिकता पर व्यवस्थायान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के द्वारा में जानकारी दी।

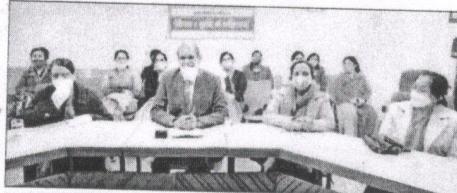
श्रीमानों का धन्यवाद किया।

कूलपीठ का संयोजन डॉ. शुभा विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के कोर्सों व डॉ. राजेश दाहिया ने किया। इस अधिकारी, निदेशक, विभागाधारक के कार्यक्रम में प्रदेश की करेंव 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बहार प्रदान किया है, अपने खेतों-घाड़ी संबंधी

अनुभवों को संक्षिप्त किया। कार्यक्रम में अन्य विभिन्न कृषि विज्ञान के विभिन्न महाविद्यालयों के कोर्सों व डॉ. राजेश दाहिया ने किया। इस अधिकारी, निदेशक, विभागाधारक के अलावा होम साइंस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑफिलाइन व ऑफिलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

कृषक महिलाओं को जैविक खेती अपनाने पर दिया जार

डॉ. विमला रंडडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का दृष्टिकोण में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दी। कार्यक्रम के दौरान फलेवन विज्ञान की प्रातिविशील महिला किसान सिमरजोत कीर ने केचुबो खेत एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार सज्जा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बहु दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधिकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सम्बन्धों की एंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विचरण किया।



स्वयं सहायता समूह बनाकर करें काम : पुष्पा रानी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पांच बजे

दिनांक ५. १२. २०२१ पृष्ठ संख्या ..... कॉलम .....

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समाप्त

# नवीनतम आइडिया को व्यवसाय में बदलने पर हुआ मंथन



### पांच बजे ब्लूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलोपमेंट इंकम्पासिंग एंग्रीबिजनेस (दृष्टिश्च) इनवेस्टर्स मीट के समाप्त अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के मार्गदर्शन में कृषि व इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में देशभर के इन्वेस्टर्स, विभिन्न सेक्टों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रुबरू हुए। एबिक सेटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रुबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में भौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड अनुसार काम करें स्टार्टअप्स एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस,

तकनीकी व उदाहरणों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यतात्त्विक, मुख्य वकाओं, प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा।

समय की जरूरत व बाजार की डिमांड अनुसार काम करें स्टार्टअप्स एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इन्वेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शामिल हुए निवेशकों ने स्टार्टअप्स से रुबरू होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में भौजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। साथ ही समय-समय पर नई-नई प्रौद्योगिकी से अपडेट भी होते रहें। मीट की संयोजक एबिक

की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने बताया कि निवेशकों ने स्टार्टअप्स से कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बेहतर बनाएं ताकि व्यापार को व्यापक स्तर पर पहचान मिल सके। मीट के सह-संयोजक अधित तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेंट करवाने पर भी जोर दिया ताकि उनका उस चीज पर एकाधिकार बना रहे।

इस मीट में मुंबई से ओमनीवोर कैपीटल समूह के शुभादीप सान्यात, बैंगलोर से अंकुर कैपीटल के श्रेयश सिंघल, इंडियन एंजल्स नेटवर्क के उदय चट्टर्जी, युनुस सोशल बिजनेस समूह के वरिष्ठ निवेशक सिपिका निगम, बिग हाट एग्रो के कॉ-फाउंडर सचिन नंदवाना, सिद्धार्थ नटराजन, सुमित रसीफ, अमन ढाल, डॉ. रूशकी महल, सौरभ त्रिवेदी सहित एबिक के स्टार्टअप्स व एबिक टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पाँच छज्जे

दिनांक ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

**एचएयू के होम साइंस कॉलेज में महिला किसान दिवस के अवसर पर व्यक्त किए विचार  
उचित अवसर मिलें तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएँ : प्रो. समर सिंह**

पाँच छज्जे

हिस्पारा: अग्र दूसरे देश में दूसरी ब्रिटेन में महिलाओं और भूमिका व उनके सम्बन्धित कार्यों को सुनिश्चित करना होता। इसके लिए महिला किसानों को प्रत्याहार व वित्ती सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय प्रोफेसर सम्प्रभु मिह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बताए पुष्टिवर्ती संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. सिपला द्वांडा ने कहा। कार्यक्रम का आयोजन अनानन्दन व अफलातुन मायथन से किया गया।

मुख्यतांत्रिक ने कहा कि आज देश की कल्प आवादी में आगे हिस्सेलालाजी का है, इसके बावजूद आमने-गामी क्षेत्रों में महिलाएँ अभी भी मूल्यपूर्ण सुविधाओं से व्यवहृत हैं। कूलप्रति ने कहा कि महिला समर्विकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल समर्वाजन जान चाहिए।



वित्तीक उचित अधिक से अधिक किसानों के लिए अपर्याप्त भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अग्र कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बदावा का दर्जा मिलें तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है, भूख और कृषिधण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आयोजिक में सुधार होगा, जिसका लाभ पूरे

परिवार व समाज को होगा। माकार की विभिन्न नीतियां जैसे जैविक खेती, स्वरोजगार योजना, भारतीय कौशल विकास योजना इत्यादि में महिलाओं की व्यापकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिवस में यामीन महिलाओं के जीवन स्तर को कैसे उद्योग ने उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विद्यान

केंद्र, गृह विज्ञान महाविद्यालय व सम्पादन नेवेल संस्थान को और से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल करने वालों द्वारा सर्वे का अवसराय भी तुर कर सकती है। इससे उनकी अधिक स्थिति मजबूत हो सकती है। डॉ. चौधरी चरण सिंह ने सांझा किए विचार कहा कि वे गृह व्याटिका, बीज तैयार कर व घोल खाद्य उत्पादन से आपने उपर्युक्त कर रहे हैं। डॉ. चौधरी चरण ने योग्य अवसर का प्रस्तुत कर व पौष्टिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. चौधरी चरण ने सभी वकालाओं व योग्यों का बधान विद्यालय के द्वारा दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शुभा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रेस जो करेंगे 200 कृषक महिलाओं जिन्होंने इस क्षेत्र में बहतर प्रदर्शन किया है, अपने खेतों बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइंस कॉलेज के विभागाध्यक्ष से अधिक मनस्त विभिन्न गांवों की महिलाओं ने अनलाइन व अफ्लाइन माध्यम से हिस्सा लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

नं। भ. द्यौ।

दिनांक . ५. १२. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

स्थानीय-विविध

हिसार, शनिवार, 05 दिसंबर 2020

3

### कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोतारी हो सकती है: कुलपति

हिसार/05 दिसंबर/रिपोर्टर

अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर् सिंह ने कही। वे गृह विश्वविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस को बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. विमला ढांडा ने की। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खावकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सूखियाओं से चंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आयोजित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि क्षेत्र में महिलाओं को बराबर का दर्जा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोतारी हो सकती है,



भूख और कुपोषण को भी रोका जा सकता है। इसके अलावा ग्रामीण आजीविका में सुधार होगा, जिसका लाभ पूरे परिवार व समाज को होगा। सरकार की विभिन्न नीतियां जैसे जैविक खेती, स्वरोजगार योजना, भारतीय कौशल विकास योजना इत्यादि में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों गृह विज्ञान महाविद्यालय व सायना नेहवाल संस्थान की ओर से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। डॉ. विमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फोटोबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कीरे ने केंचुआ खाद्य-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुक्षम पर अपने विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को अनुभव के अन्तर्गत विभिन्न कृषि विविधकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सज्जियों की जंजीरी तैयार करने के अनुभव के साथ-साथ कृषि व्यवसाय से अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया। और सरकारी संगठन से जुड़ी पुष्टा रानी ने महिलाओं से स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे गृह वाटिका, बीज तैयार कर व घरेलू खाद्य उत्पादन से अपनी आय उत्पाजित कर सकती हैं। डॉ. वीनू सांगवान ने भौंटे अनाज का प्रसंस्करण व पौधिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। डॉ. वीना यादव ने सभी वक्ताओं व श्रोताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुगमा कौशिक व डॉ. राजेश दहिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएं जिन्होंने इस क्षेत्र में बहुत प्रदर्शन किया हैं, ने अपने खेती-बाड़ी संबंधी अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑफलाइन व ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पाठ्यक्रम पत्र

दिनांक ५.१२.२०२२ पृष्ठ संख्या..... — कॉलम..... —

## उचित अवसर मिलें तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती हैं महिलाएँ : प्रोफेसर समर सिंह



### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 दिसम्बर : अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सभभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने की। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से किया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल

आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानों के लिए आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न सज्जियों की पंजीरी तैयार करने के

योजना इत्यादि में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने व उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों, गृह विज्ञान महाविद्यालय व सायना नेहवाल संस्थान की ओर से अनेक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएँ अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकती हैं। इससे उनकी अर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि देश भर के समस्त कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में महिला किसान दिवस आयोजित करने का उद्देश्य कृषि में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार साझा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। किसान नरेंद्र ने महिलाओं को विविधकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने महिलाओं से विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष के अलावा होम साइंस कॉलेज की शिक्षकों व विभिन्न गांवों की महिलाओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स

दिनांक ५.१२.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

### एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट का समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र की आइडिया डेवलपमेंट इंकाप्सिंग एग्रीबिजनेस इन्वेस्टर्स मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके नवीनतम आइडिया को एक बिजनेस में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर विचार विमर्श किया। इस मीट में देशभर के इन्वेस्टर्स, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक स्टार्टअप्स से रुबरु हुए। एबिक

सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन एबिक के चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को बिजनेस, तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया। इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मनीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वकाओं, प्रतिभागियों, इन्वेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए

विशेष सहयोग रहा।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इन्वेस्टर्स मीट में विभिन्न क्षेत्रों के देशभर से शमिल हुए निवेशकों ने म्याटर्टअप्स से रुबरु होते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय में मीजूदा समय की जरूरत व बाजार की डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। सह-संयोजक अपित तनेजा ने बताया कि मीट में स्टार्टअप्स को उनकी नवीनतम तकनीकों को पेटेट करवाने पर भी जोर दिया ताकि उनका उस चीज पर एकाधिकार बना रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

संख्या

दिनांक ५. १२. २०२१ पृष्ठ संख्या ..... — कॉलम ..... —

**कार्यक्रम** होम साइंस कॉलेज में महिला किसान दिवस पर व्यक्ति किए विचार

# उचित अवसर मिले तो देश के विकास का परिदृश्य बदल सकती है महिलाएँ : कुलपति

सिटी प्लॉन न्यूज़, हिसार। अगर हम देश में दूसरों हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि शेत्र में महिलाओं को भविता का उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व विविध सुविधा प्रदान करना जरूरी है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महिला किसान दिवस के अवसर पर चर्चा मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खामकर ग्रामीण शेत्रों में महिलाएँ अभी भी मूलभूत सुविधाओं में रोकी रही हैं।

कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के शेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए बल्कि उन्हें उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है,



दिसंबर। महिला किसान कृषक दिवस के अवसर पर संबोधित करते कुलपति प्रो. समर सिंह व मौजूद अव्य।

अधिक से अधिक किसानों के लिए भूख और कृषीपण को भी रोका जा आयोजित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कृषि शेत्र में महिलाओं को वयस्या का दजा मिले तो फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सकती है,

करने का उद्देश्य किये में महिलाओं की महिला भागीदारी को जानकारी दी। इस कार्यक्रम में बढ़ाना है। डॉ. बीन संगवाल ने मोहृषि अनाज का प्रसंस्करण व यौगिकता पर व्याख्यान देते हुए गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित किए गये विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 200 कृषक महिलाएँ जिन्होंने इस क्षेत्र में व्यहत विविध विद्याएँ किया है, अपने खेती-यादी संबंधी अनुभवों को संझा किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सभास्त्र द्विरप्ति

दिनांक ५-१२-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

## डिमांड के अनुसार आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करें : डॉ. सीमा

एचएयू स्थित एबिक में  
स्टार्टअप्स के लिए  
प्रथम आइडिया इन्वेस्टर  
मीट का समापन

समस्त हरियाणा न्यूज़  
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा  
कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित  
एबिक केंद्र की आइडिया डेवलेपमेंट  
इंकम्पासिंग एग्रीविजनेस इनवेस्टर्स  
मीट के समापन अवसर पर इन्वेस्टर्स  
व स्टार्टअप्स के बीच तकनीकी सत्रों  
का आयोजन किया गया। इस दौरान  
इन्वेस्टर्स ने स्टार्टअप्स को उनके  
नवीनतम आइडिया को एक विजनेस  
में बदलने के तौर-तरीकों को लेकर  
विचार विमर्श किया।

इस मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के लिए विशेष सहयोग रहा। एबिक की ओर से भाग लेने पर उन्होंने कहा कि एबिक टीम द्वारा इस मीट के सफल आयोजन के लिए विशेष सहयोग रहा। एबिक सहित एबिक के स्टार्टअप्स विशेषज्ञों द्वारा उनके व्यवसाय के की ओर अधिकारी डॉ. सीमा रानी एबिक टीम सदस्यों ने हिस्सा लिया।



समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के लिए किया गया।

इससे संबंधित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किया गया। इस मीट में इस इन्वेस्टर्स मीट की संयोजक एबिक की फाइनेंस मैनेजर मरीषा मणि ने मुख्यातिथि, मुख्य वक्ताओं, प्रतिभागियों, इनवेस्टर्स व स्टार्टअप्स का कार्यक्रम में भाग लेने पर उदय चट्टर्जी, युनिस सोशल विजनेस समूह के वरिष्ठ निवेशक सिपिका निगम, बिग हाट एग्रो के कॉ-फाउंडर सचिन नंदवाना, सिद्धार्थ नटराजन, मुमित सराफ, अमन छाल, डॉ. रूशकी महल, सौरभ त्रिवेदी

के बाद एवं विभिन्न व्यवसायी व्यक्तियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

इस मीट में मुंबई से ओमनीवार कैपीटल समूह के शुभादीप सान्याल,

बैंगलोर से अंकुर कैपीटल के ब्रेयश

सिंधल, ईडियन एंजल्स नेटवर्क के

उदय चट्टर्जी, युनिस सोशल विजनेस

समूह के वरिष्ठ निवेशक सिपिका

निगम, बिग हाट एग्रो के कॉ-

फाउंडर सचिन नंदवाना, सिद्धार्थ

नटराजन, मुमित सराफ, अमन छाल,

डॉ. रूशकी महल, सौरभ त्रिवेदी

के बाद एवं विभिन्न व्यवसायी व्यक्तियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

~~दीनक द्विष्टुन~~

दिनांक 6.12.2020 पृष्ठ संख्या 5 कॉलम 5-6

### महिला किसान दिवस पर बोले कुलपति कृषि क्षेत्र में भी महिलाओं की सहभागिता जरूरी

हिसार, 5 दिसंबर (निसा)

कृषि विश्वविद्यालय ने महिला कृषकों के उत्थान के लिए कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागेदारी को जरूरी बताया है। वहीं दूसरी हरित क्रांति के लिए कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व सहभागिता पर बल दिया है।

महिला किसान दिवस पर हक्कुनि में होम साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. समर सिंह ने महिला किसानों व अन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हम देश में दूसरी हरित क्रांति लाना चाहते हैं तो कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका व उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिए महिला किसानों को प्रोत्साहन व वित्तीय सुविधा प्रदान करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आज देश की कुल आबादी में आधा हिस्सा महिलाओं का है, इसके बावजूद खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कुलपति ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए कृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को न केवल सराहा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें अधिक से अधिक किसानी के लिए आर्मत्रित भी करना चाहिए। महिला किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में फतेहबाद जिले की प्रगतिशील महिला किसान सिमरजीत कौर ने केंचुआ खाद-एक व्यवसाय एवं खाद्य सुरक्षा पर अपन विचार संज्ञा किए व अन्य महिलाओं को भी जैविक खेती अपनाने पर बल दिया। इस मौके पर डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. बीनू सांगवान, डॉ. बीना यादव मौजूद रहीं।